खबर संक्षेप

उमरिया में फिर स्नेचिंग गैंग का दुस्साहस

उमरिया। जिले में बेखौफ घूम रहे बाइक सवार बदमाशों ने पुलिसिया इकबाल को एक बार फिर चुनौती दी है। इंदवार के पलझा में संतोष सोनी से हुई लूट की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि रविवार रात पाली थाना क्षेत्र के चौरी-बिजौरी मार्ग पर स्नेचिंग गैंग ने एक और सनसनीखेज वारदात को अंजाम दे डाला। हालांकि, इस बार बदमाशों की किस्मत ने दगा दे दिया और ग्रामीणों की जांबाजी के आगे लुटेरों को घुटने टेकने पड़े।जानकारी के अनुसार, बिजौरी (ओदरी) निवासी सराफा कारोबारी रजत सोनी रविवार रात चौरी बाजार से लौट रहे थे। तभी सुनसान रास्ते का फायदा उठाकर एक तेज रफ्तार पल्सर बाइक पर सवार तीन युवकों ने उन पर हमला बोल दिया। लुटेरे झपट्टा मारकर आभूषणों से भरा बैग छीनकर हवा की गति से फरार हो गए। अचानक हुए इस हमले से क्षेत्र में हडक़ंप मच गया, लेकिन बदमाशों को शायद यह अंदाजा नहीं था कि उनकी यह आखिरी उड़ान होगी।वारदात के तुरंत बाद ग्रामीणों ने मोर्चा संभाला और पुलिस को सूचना देते हुए संदिग्धों का पीछा शुरू किया। पुलिस और ग्रामीणों की संयुक्त तत्परता ने बदमाशों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए तीनों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। सूत्रों की मानें तो इस गैंग के तार सीमावर्ती जिला कटनी और अमरपुर क्षेत्र से जुड़े हैं। पुलिस अब इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या पलझा की लूट और इस वारदात के पीछे एक ही गिरोह का हाथ है।

जिले में लगातार हो रही स्नेचिंग की घटनाओं ने ग्रामीण अंचलों की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। सवाल यह है कि आखिर पल्सर सवार ये शिकारी सडक़ों पर इतने बेखौफ कैसे हैं, पुलिस इस मामले में लूट का प्रकरण धारा 392 दर्ज करने की तैयारी में है।

पानी बचाओ जीवन बचाओ-वर्षा जल संचयन अपनाओ

शहडोल। जल प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक अमूल्य उपहार है, जो समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। इसलिए हमें जल की एक-एक बूंद के महत्व को समझना होगा और इसके संरक्षण के लिए जागरूक होना होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन खेत तालाब, बोरी बंधान, रैन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे अन्य कार्य किये जा रहे है। इन कार्यो से वर्षा ऋतु में होने वाली वर्षा के जल का संचयन होगा और धरा के जल स्तर में वृद्धि होगी वहीं स्थानीय लोगो के लिए फसल सिंचाई जैसे अन्य कार्यों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वर्षा जल के संचयन हेतु शहडोल जिले के शासकीय भवनो में रैन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम पंचायत पोड़ी कला, ऑगनवाड़ी केंद्र अमरहा टोला, ग्राम पंचायत बडक़ाडोल, जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत लफदा, देवरी,जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत मलया सहित अन्य ग्राम पंचायतो में भी रैन वाटर हार्वेसंटिग का कार्य किया गया।

ई-केवायसी तथा फार्मर रजिस्ट्री का कार्य शीघ्र पूरा करें: कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में ई-केवायसी के प्रगति की समीक्षा करते हुए नगर पंचायत खांड़, बुढ़ार, ब्यौहारी एवं जयसिंहनगर के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को शत-प्रतिशत ई-केवायसी का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसी तरह तहसीलदार गोहपारू, बुढ़ार एवं ब्यौहारी को फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

उप्पे के साम्राज्य पर बुढार पुलिस का बुलडोजर

बुढार पुलिस की रेड से कोल माफिया पस्त

जमुनिहा नाले में चल रही थी जेसीबी, 30 लाख का मशरूका जब्त

शहडोल। शहडोल की धरती के नीचे दफन ब्लैक डायमंड पर गिद्ध दृष्टि जमाए बैठे माफियाओं के लिए बुढार पुलिस काल बनकर टूटी है। एनएच-43 के करीब लालपुर ग्राम के जमुनिहा नाले में जिस तरह से पाताल खोदकर काला सोना निकाला जा रहा था, उसे देखकर तो यमराज भी शर्मा जाएं। लेकिन अफसोस! माफियाओं के इस अंडरग्राउंड बिजनेस प्लान पर बुढार थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने ऐसा पानी फेरा कि अब साहबों की सांसें अटक गई हैं। 30 लाख की जब्ती तो बस एक बानगी है, असली झटका तो उस रसूख को लगा है जो खुद को कानून से ऊपर समझ बैठा था।

कौन है यह उपेन्द्र दादा?

जिले के गलियारों में आजकल उपेन्द्र उर्फ उप्पे सिंह का ही नाम की गूंज है, कटकोना का यह स्वयंभू दादा अब चर्चाओं के केंद्र में है। यूं तो उप्पे दादा का नाम रेत के अवैध कारोबार और पुराने खनिज विवादों में मलाई की तरह तैरता रहा है, लेकिन कोयले के इस महा-दंगल में उनकी एंट्री ने बड़े-बड़े दिग्गजों के कान खड़े कर दिए हैं। चर्चा है कि रेत के बाद अब दादा ने कोयले के काले साम्राज्य में अपने कदम नहीं, बल्कि पूरी जेसीबी ही उतार दी है। पकड़ी गई जेसीबी एमपी 20 डीए 2582 के बारे में दबी जुबान में हर कोई कह रहा है कि ये तो दादा की शान है!

किसान की जमीन और आयुष महाराज का ट्रैक्टर!

वाह रे उप्पे दादा! आपकी इंजीनियरिंग का तो जवाब नहीं। जमुनिहा नाले के पास एक सीधे-साधे काश्तकार की जमीन को आपने कोयला खदान में बदल दिया। खुद की जेसीबी और किराए के ट्रैक्टर (जो कथित तौर पर ग्राम प्रधान के करीबी आयुष महाराज का बताया जा रहा है) के जरिए धरती मां का सीना छलनी किया जा रहा था। रसूख का आलम यह कि मजदूरों से गुफानुमा खतरनाक गड्ढे खुदवाए जा रहे थे, मानो ये कोई खदान नहीं बल्कि दादा का निजी बगीचा हो। 30 लाख का मशरूका तो जब्त हो गया, लेकिन अब सवाल उन बड़े आर्थिक लेन-देन का है जो इस सिंडिकेट को ऑक्सीजन दे रहे थे।

ड्राइवर गए जेल, अब आका की बारी

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से उन मोहरों (ड्राइवरों) को तो दबोच लिया है जो दादा के इशारे पर स्टेयरिंग घुमा रहे थे। उन पर तो गाज गिर गई, लेकिन असली सस्पेंस तो अब शुरू हुआ है। बुढार पुलिस अब उन कडिय़ों को जोड़ रही है जो सीधे तौर पर उन रसूखदारों के ड्राइंग रूम तक पहुंचती हैं, जो अब तक खुद को मिस्टर क्लीन बताते आए थे। ड्राइवरों के पेट से निकले राज अब कई बड़े नामों की नींद उड़ाने वाले हैं।

माफिया अब अंडरग्राउंड!

बुढार थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार ने यह साफ कर दिया है कि खाकी का इकबाल अभी जिंदा है। बिना किसी भनक के जिस सूझबूझ से उन्होंने इस रेड को अंजाम दिया, उससे कोयला चोरों के बीच दहशत का माहौल है। कई बड़े नाम तो अब मोबाइल बंद कर अंडरग्राउंड हो गए हैं। गहरवार ने स्पष्ट संदेश दे दिया है, चाहे उप्पे दादा हों या कोई और महाराज, कानून के हाथ सबकी गर्दन तक पहुंचने का हुनर जानते हैं।

ट्रेलर खत्म, असली फिल्म तो अभी बाकी है!

यह कार्रवाई तो महज एक टीजर है। जिले की राजनीति और व्यापार जगत में भूचाल आना तय है। आने वाले दिनों में जब उपेन्द्र दादा के कोयला कनेक्शन की परतें खुलेंगी, तब पता चलेगा कि शहडोल की इस काली कमाई में और कितने सफेदपोश शामिल हैं। फिलहाल तो दादा की जेसीबी पुलिस की कस्टडी में है और उनका रसूख सवालो के घेरे में!

इनका कहना है...

थाना क्षेत्र के जमुनिहा नाला से कोयले का अवैध उत्खनन कर परिवहन पर कार्यवाही करते हुए एक जेसीबी और एक ट्रैक्टर जप्त कर दोनों वाहन मालिकों के खिलाफ कार्यवाही की है।
विनय सिंह गहरवार
थाना प्रभारी, बुढ़ार

सूदखोरी के जाल में फंसा कोयलांचल

धनपुरी में गरीब का सोना हड़पा न्याय न मिलने पर पीड़ित आत्महत्या को मजबूर

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र में अवैध सूदखोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है , जिसने खाकी और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक गरीब व्यक्ति ने अपनी पत्नी का जेवर गिरवी रखकर कर्ज क्या लिया, वह अपनी जीवनभर की पूंजी और मानसिक शांति दोनों हार बैठा। महीनों से थानों और कलेक्टर कार्यालय की चौखट घिसने के बाद भी जब हार वापस नहीं मिला और पुलिस ने केवल कागजी खानापूर्ति की, तो अब पीड़ित हताशा में आत्मघाती कदम उठाने की बात कह रहा है।

आत्महत्या की कगार पर

धनपुरी निवासी मोहम्मद इरशाद के लिए अगस्त 2022 का वह दिन अभिशाप बन गया, जब तंगी के कारण उसने सूदखोर के पास पत्नी का सवा दो तोला सोने का हार गिरवी रखा। आज हालात यह हैं कि मूल और ब्याज चुकाने के बाद भी सूदखोर हार लौटाने को तैयार नहीं है। पुलिस एफआईआर के बजाय समझौते का दबाव बना रही है, जिससे प्रताड़ित होकर पीड़ित अब आत्महत्या की कगार पर पहुंच गया है।

50 हजार के बदले 1.20 लाख की मांग

पीड़ित मोहम्मद इरशाद ने बताया कि कोरोना काल के बाद व्यापार ठप होने पर उसने बालमुकुंद अग्रवाल (उर्फ मामा) से 5 प्रतिशत मासिक ब्याज पर 50,000 रुपये लिए थे। एक साल तक निरंतर 2500 रुपये महीना ब्याज भरने के बाद जब पीड़ित ने मूल राशि लौटाकर अपनी पत्नी का सवा दो तोला सोने का हार वापस मांगा, तो आरोपी की नीयत डोल गई। अब आरोपी उस पर 1,20,000 रुपये देने का नाजायज दबाव बना रहा है।

खानापूर्ति और संदिग्ध भूमिका

हैरानी की बात यह है कि जब मामला थाने पहुँचा, तो धनपुरी पुलिस ने इसे संज्ञेय अपराध मानकर एफआईआर दर्ज करने के बजाय महज एनसीआर काटकर पल्ला झाड़ लिया। दस्तावेजों से स्पष्ट है कि पुलिस अब केवल धारा 179 के नोटिस देकर औपचारिक पूछताछ कर रही है। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस उसे न्याय दिलाने के बजाय आरोपी के साथ सेटिंग और समझौता करने को कह रही है, जिससे सूदखोर के हौसले बुलंद हैं।

कलेक्टर और एसपी से भी नहीं मिली राहत

दस्तावेजों की फाइल कह रही है कि पीड़ित ने न्याय के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। 23 दिसंबर 2025 से लेकर 10 फरवरी 2026 तक, लगातार तीन बार कलेक्टर जनसुनवाई और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन दिए गए। पावती क्रमांक 6215 और 48 इस बात के गवाह हैं कि प्रशासन के पास शिकायत तो पहुंची, लेकिन समाधान शून्य रहा। पीड़ित का कहना है कि जब रक्षक ही भक्षक से मिल जाएं, तो गरीब कहां जाए।

गवाहों की मौजूदगी, फिर भी जांच ठप

इस पूरे लेनदेन के दौरान चतुरानंद सिंह और शब्बीर अहमद जैसे गवाह मौजूद थे, जिनके सामने हार सौंपा गया था। इसके बावजूद पुलिस मामले को केवल लेनदेन का विवाद बताकर हल्का कर रही है। आरोपी अब भोपाल में बैठकर पीड़ित को धमकियां दे रहा है और पुलिस उसे गिरफ्तार करने या हार बरामद करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही है।

सलैया में फॉरेस्ट टीम पर हमलावर हुए रेत माफिया के गुर्गे

रेंजर की जांबाजी के आगे माफिया पस्त

उमरिया। वन संपदा को दीमक की तरह चाट रहे रेत माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे खाकी और वर्दी पर सीधा हमला करने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। चंदिया वन परिक्षेत्र के ग्राम सलैया अखडार में सोमवार को उस वक्त युद्ध जैसे हालात बन गए, जब दबिश देने पहुंची फॉरेस्ट टीम को दर्जनों रेत कारोबारियों और उनके समर्थकों ने घेर लिया। गनीमत रही कि टीम ने पीछे हटने के बजाय साहस दिखाया, वरना कोई बड़ी अनहोनी घट सकती थी।

जातिसूचक गालियां और जान से मारने की धमकी

विवाद की जड़ रविवार की वो घटना है, जब वनरक्षक रामशंकर चर्मकार ने गश्त के दौरान अवैध रेत से लदे तीन ट्रैक्टरों को रंगे हाथों दबोचा था। उस वक्त माफियाओं ने न केवल सरकारी काम में अड़ंगा डाला, बल्कि वनरक्षक को जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी और ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में बीएनएस की संगीन धाराओं और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला तो दर्ज किया, लेकिन माफिया का दुस्साहस कम नहीं हुआ।

घेराबंदी के बीच ट्रैक्टर जब्त

सोमवार दोपहर जब रेंजर नीलेश द्विवेदी के नेतृत्व में टीम ट्रैक्टरों की जब्ती के लिए सलैया पहुंची, तो गांव में तनाव फैल गया। माफियाओं के समर्थकों ने पूरी टीम को घेरकर दबाव बनाने की कोशिश की। मौके पर अफरा-तफरी और भारी विरोध के बीच फॉरेस्ट टीम टस से मस नहीं हुई। अंततः विभागीय टीम ने माफियाओं के चक्रव्यूह को तोड़ते हुए एक ट्रैक्टर जब्त कर लिया और उसे लेकर चंदिया मुख्यालय लौटी।

प्रशासन को खुली चुनौती

24 घंटे के भीतर फॉरेस्ट टीम पर दोबारा हुआ यह हमला साफ करता है कि क्षेत्र में रेत माफिया समानांतर सरकार चला रहे हैं। सलैया बीट में सरेआम हुई इस घेराबंदी ने प्रशासनिक इकबाल पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रेंजर नीलेश द्विवेदी और उनकी टीम ने साहसिक परिचय तो दिया, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इन सफेदपोश गुंडों को आखिर किसका वरदहस्त प्राप्त है, जो वे सरकारी अमले को बंधक बनाने की हिमाकत कर रहे हैं?

जैविक खेती विषय पर आधारित आयोजित किया गया प्रशिक्षण

शहडोल। कृषि विज्ञान केन्द्र शहडोल के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ. मृगेंद्र सिंह की उपस्थिति में शासकीय पंडित शम्भुनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल में जैविक खेती विषय पर आधारित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ. मृगेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को अवगत कराया कि जैविक खेती की विधि रासायनिक खेती की तुलना में मृदा की उर्वरता एवं कृषकों की उत्पादकता बढ़ाने में सहायक है। वर्षा आधारित क्षेत्रों में जैविक खेती की विधि और भी अधिक लाभदायक है। जैविक विधि द्वारा खेती करने से उत्पादन की लागत तो कम होती ही है। इसके साथ ही कृषको को आय अधिक प्राप्त होती है। प्रशिक्षण में वैज्ञानिक डॉ. ब्रजकिशोर प्रजापति ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि भारत वर्ष में ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है और कृषकों की मुख्य आय का साधन खेती है। संपूर्ण विश्व में बढ़ती हुई जनसंख्या एक गंभीर समस्या है। बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ भोजन की आपूर्ति के लिए मानव द्वारा खाद्य उत्पादन की होड़ में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए तरह-तरह की रासायनिक खादों, जहरीले कीटनाशकों का उपयोग, प्रकृति के जैविक और अजैविक पदार्थो के बीच आदान-प्रदान के चक्र को (इकोलाजी सिस्टम) प्रभावित करता है। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति खराब हो जाती है। साथ ही वातावरण प्रदूषित होता है, तथा मनुष्य के स्वास्थ्य में गिरावट आती है। प्राचीन काल में, मानव स्वास्थ्य के अनुकुल तथा प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप खेती की जाती थी। जिससे जैविक और अजैविक पदार्थों के बीच आदान-प्रदान का चक्र निरन्तर चलता रहा था, जिसके फलस्वरूप जल, भूमि, वायु तथा वातावरण प्रदूषित नहीं होता था। उन्होंने बताया कि जैविक खेती को इन समस्याओं के लिए बेहतर विकल्प के रूप में देखा जाने लगा है। जैविक खेती के उपयोग से किसान अथवा उत्पादक को दूरगामी लाभ प्राप्त होने के साथ-साथ इसकी उत्पादन लगत भी 20-25 प्रतिशत तक कम हो जाती है। साथ ही यह भूमि की गुणवत्ता एवं उर्वरता बढ़ाकर, भूमि में कार्बन अवशेष की मात्रा को भी बढ़ाता है। इसके द्वारा फसल की उत्पादकता एवं उत्पादन बढऩे के साथ ही स्वास्थ फसल प्राप्त होती है।

कृषक मई-जून के महीने में मिट्टी पलटने वाले हल से खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करते हैं तो किसानों को इसके अनेक लाभ प्राप्त होंगे। इस प्रकार की जुताई से मृदा का सूर्य की किरणों से सीधा उपचार होता है। इस जुताई से हानिकारक कीट व पौध रोगकारक नष्ट हो जाते हैं। मिट्टी की जल धारण क्षमता में वृद्धि होती है जिससे कि जड़ो की अच्छी वृद्धि होती है। ग्रीष्मकालीन जुताई के बाद खेती की लागत में कमी आती है। साथ ही उपज में लाभ औसतन 10 प्रतिशत तक बढ जाती है। ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई रबी मौसम की फसल कटने के बाद शुरू हो जाती है, जो बरसात प्रारंभ होने तक चलती रहती है। गहरी जोताई का मृदा के भौतिक गुणों पर प्रभाव पड़ता है। इससे हानिकारक कीटों से बचाव तथा खरपतवार नियंत्रित होता है, साथ ही मृदा में वायु संचार में बढ़ोत्तरी होती है तथा मृदा संरक्षण में सहायक होता है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का किया निरीक्षण

शहडोल। भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य गुणवत्ता के साथ किया जा रहा है। कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी डॉ. केदार सिंह के निर्देशन में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी सरोधन सिंह के मार्गदर्शन में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के चार्जों में प्रगणक एवं सुपरवाईजरों द्वारा घर-घर संपर्क कर कार्य किया जा रहा है। अपर कलेक्टर सरोधन सिंह ने ब्यौहारी जनपद पंचायत क्षेत्र में प्रगणको एवं पर्यवेक्षकों द्वारा किए जा रहे माकन नंबरिंग, नजरी नक्शा निर्माण एवं एचएलओ एप्प में दर्ज प्रविष्ठियों का सत्यापन किया। अधिकारियों द्वारा स्थल स्थिति से मिलान कर जानकारी की शुद्धता सुनिश्चित की जा रही है। प्रगणकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी मकान अथवा परिवार सर्वेक्षण से छूटने नहीं पाए। डेटा की गुणवत्ता एवं सटीकता बनाए रखने के लिए प्रत्येक प्रवृष्टि सावधानी पूर्वक दर्ज की जाए। चार्ज स्तर पर गठित टीमों एवं फील्ड ट्रेनर्स द्वारा आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा रहा है। साथ ही एचएलओ एप संचालन एवं डेटा प्रवृष्टि संबंधी आवश्यक जानकारी दी जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रगणकों को सही एवं तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराकर जनगणना कार्य में सहयोग प्रदान करें। जिससे विकास योजनाओं के लिए विश्वसनीय एवं सटीक आंकड़े प्राप्त हो सकें।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिन विभागों में 100 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग करें तथा इनका निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, श्रीमती मिनीषा पाण्डेय, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

तालाब किनारे संदिग्ध हालत में मिली युवक की लाश

शहडोल। जिले में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए अपराधियों और संदिग्ध मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा सनसनीखेज मामला धनपुरी थाना क्षेत्र से सामने आया है, जहां पुरानी बस्ती स्थित खेरमाई माता तालाब की भीट पर एक युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। मृतक की पहचान बबलू कोल के रूप में हुई है।

गले में फंदा देख उड़े होश

सोमवार को जब स्थानीय लोगों ने तालाब किनारे बबलू की लाश जमीन पर पड़ी देखी, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। चौंकाने वाली बात यह है कि युवक के गले में साड़ी का फंदा बंधा हुआ था। जमीन पर पड़े शव के गले में फंदा होना कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। क्या यह आत्महत्या है या फिर किसी ने बेरहमी से हत्या कर शव को यहां फेंक दिया? मौके पर मौजूद भीड़ के बीच इस बात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं।

जांच में जुटी पुलिस, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

सूचना मिलते ही धनपुरी पुलिस ने दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस हर उस एंगल को खंगाल रही है जो इस रहस्यमयी मौत की गुत्थी सुलझा सके। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए इसे महज इत्तेफाक मानना जल्दबाजी होगी। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

खबर संक्षेप

सफाई कर्मचारियों को मिला आधुनिक स्वच्छता किट, शुरू हुआ विशेष अभियान

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगर परिषद प्रशासन ने सफाई कर्मचारियों (स्वच्छता नायकों) को काम के दौरान आधुनिक साधन और एक सुसज्जित स्वच्छता किट प्रदान किया है। इसका उद्देश्य न केवल शहर की सफाई करना है, बल्कि कर्मचारियों को सुरक्षित और गरिमापूर्ण वातावरण प्रदान करना है। नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह के द्वारा इस स्वच्छता किट का वितरण किया। स्वच्छता सर्वेक्षण और स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर परिषदों द्वारा सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण प्रदान करके स्वच्छता अभियान को तेज किया गया है, जिसका उद्देश्य 2026 तक शहरी भारत को कचरा मुक्त बनाना है। नगर परिषद बनगवां के वार्ड क्रमांक 2 दुर्गा मंदिर के पीछे आज साफ सफाई किया गया। इस विशेष अभियान में नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के अध्यक्ष यशवंत सिंह सीएमओ लखन लाल पनिका, वार्ड नंबर बारह के पार्षद समय पटेल, वार्ड नंबर एक के पार्षद पति जितेंद्र पनिका, वार्ड नंबर छह के पार्षद पति बृजेश कुशवाहा, नगर परिषद के कर्मचारियों सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बेपटरी हो गई नगर की यातायात व्यवस्था

कोतमा। नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गई है। प्रशासन की उदासीनता के कारण नगर में जगह-जगह घंटो जाम की स्थिति बन जाती है। आलम यह है कि ना तो नगर पालिका प्रशासन और ना ही स्थानीय प्रशासन ध्यान दे रही है। जिसके कारण आम नागरिकों को अव्यवस्था का शिकार होना पड़ रहा है। रविवार को भी सड़क के दोनों तरफ वाहन खड़ा होने के कारण घंटों जाम की समस्या निर्मित हो जाती है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुक्ति धाम के पास थोक सब्जी विक्रेताओं के द्वारा दुकान संचालित की जा रही है। उन दुकानदारों का हाल यह है कि सुबह 7 बजे से ही सड़क के दोनों और बड़े वाहन खड़े करवा दिए जाते हैं उसके बाद सड़क पर ही दो पहिया वाहन खड़े हो जाते हैं। जिसके कारण घंटो जाम की स्थिति बन जाती है। यह हाल कोई एक दिन का नहीं है प्रतिदिन का हाल यही है। जबकि थोक सब्जी मंडी के रास्ते से ही होकर नगर पालिका कार्यालय अस्पताल छात्रावास कन्या स्कूल के लिए बच्चे आना-जाना करते हैं। अस्पताल से मरीज को लाने ले जाने का कार्य भी एंबुलेंस के द्वारा किया जाता है। लेकिन बदहाल यातायात के कारण आम नागरिक परेशान हो रहे हैं। अव्यवस्थित आवागमन होने के कारण स्थित यह निर्मित हो जाती है कि लोगों को पैदल भी चलना मुश्किल हो जाता है। जबकि नगर पालिका प्रशासन के द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक 3 में सब्जी मंडी का निर्माण लाखों रुपए खर्च करके किया गया है उसके बावजूद भी थोक सब्जी विक्रेताओं के द्वारा दुकान संचालित की जा रही है। आम नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन से नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुक्तिधाम के पास अस्पताल जाने वाले मार्ग में बदहाल यातायात व्यवस्था के सुधार कार्य कराए जाने की मांग की है।

कमीशनखोरी की भेंट चढ़ा विकास, बजट हुआ सरेंडर

शहडोल पीडब्ल्यूडी में भ्रष्टाचार का तांडव

शहडोल। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) शहडोल इन दिनों भ्रष्टाचार के दलदल में पूरी तरह डूब चुका है। विभाग के भीतर पैर पसार चुके कमीशन राज ने न केवल सरकार की छवि को धूमिल किया है, बल्कि जिले के विकास को भी वर्षों पीछे धकेल दिया है। एक संविदाकार द्वारा कलेक्टर से की गई लिखित शिकायत ने विभाग में व्याप्त उस संगठित लूट को उजागर किया है, जहां बिना 30 प्रतिशत की रिश्वत के एक कागज भी आगे नहीं बढ़ता। इस भ्रष्टाचार के केंद्र में कार्यालय का वह बाबू और उसे संरक्षण देने वाले साहब हैं, जिन्होंने सरकारी तिजोरी को अपनी जागीर समझ लिया है।

कमीशन के फेर में 60 लाख सरेंडर

विभाग में व्याप्त रिश्वतखोरी का सबसे घातक असर सरकारी बजट पर पड़ा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के मार्च महीने में करोड़ों के काम पूरे होने के बावजूद ठेकेदारों के बिल पास नहीं किए गए। इसका मुख्य कारण यह था कि ठेकेदारों ने मोटी रिश्वत देने से मना कर दिया था। परिणामस्वरूप, विकास कार्यों के लिए आवंटित लगभग 60 लाख रुपये की राशि बिना उपयोग के शासन को वापस (सरेंडर) करनी पड़ी। यह सीधे तौर पर जनता के पैसे और जिले के विकास के साथ किया गया सबसे बड़ा द्रोह है।

भ्रष्ट बाबू उमाकान्त मिश्रा की तानाशाही

शिकायत के अनुसार, सहायक ग्रेड-3 बाबू उमाकान्त मिश्रा विभाग में भ्रष्टाचार का मुख्य चेहरा बन चुका है। भुगतान के बदले 30 प्रतिशत कमीशन की मांग करना अब उसकी कार्यशैली का हिस्सा है। जो ठेकेदार इस अवैध वसूली का विरोध करता है, उसके साथ न केवल अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की

जाती है, बल्कि उसके वैध बिलों को जानबूझकर फाइलों के नीचे दबा दिया जाता है। इस बाबू की मनमानी से पूरा कार्यालयी तंत्र पंगु होकर रह गया है।

कार्यपालन यंत्री का मिला मूक संरक्षण

यह भ्रष्टाचार केवल एक बाबू तक सीमित नहीं है, विभाग के कार्यपालन यंत्री की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। आरोप है कि बाबू उमाकान्त मिश्रा खुलेआम अधिकारियों के नाम पर पैसे की मांग करता है, जिससे साफ जाहिर है कि उसे ऊपर बैठे साहब का पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। बिना उच्चाधिकारियों की सहमति और शह के, कोई अधीनस्थ कर्मचारी इतने बड़े पैमाने पर वसूली और सरकारी बजट को सरेंडर कराने का साहस नहीं कर सकता। विभाग का शीर्ष नेतृत्व इस लूट में बराबर का भागीदार नजर आता है।

ठेकेदारों की कमर टूटी, मानसिक प्रताडना

जिले के छोटे और मध्यम स्तर के ठेकेदार इस भ्रष्ट तंत्र के कारण बर्बादी की कगार पर पहुँच गए हैं। अपनी संपत्ति गिरवी रखकर और कर्ज लेकर काम पूरा करने वाले संविदाकारों को अब अपने ही हक के पैसे के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कमीशन न दे पाने के कारण उनका भुगतान महीनों से अटका हुआ है, जिससे वे गहरे मानसिक तनाव और आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। विभाग की इस कार्यप्रणाली ने ईमानदार काम करने वालों के लिए दरवाजे बंद कर दिए हैं।

रिश्वतखोरी से जिला विकास में पिछड़ा

भ्रष्टाचार के इस खेल का सबसे दुखद पहलू यह है कि जिला विकास की दौड़ में पिछड़ता जा रहा है। जब बजट का बड़ा हिस्सा रिश्वत की भेंट चढ़ जाए या फिर अफसरशाही की जिद के कारण वापस चला जाए, तो बुनियादी ढांचा कैसे मजबूत होगा? सडक़ों और भवनों के निर्माण की गुणवत्ता गिर रही है क्योंकि ठेकेदारों का मुनाफा भ्रष्टाचार की बलि चढ़ रहा है। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण अंचलों तक की योजनाएं इस कमीशनखोरी के कारण वेंटिलेटर पर हैं। सिस्टम का बंटाधार, कार्रवाई का इंतजार वर्तमान में पीडब्ल्यूडी शहडोल की स्थिति ऐसी हो गई है जहाँ नियम-कायदे केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं और सारा काम लेन-देन के आधार पर चल रहा है। शिकायतकर्ता ने साक्ष्यों के साथ जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। यदि इस संगठित सिंडिकेट पर कठोर कार्रवाई नहीं होती है, तो भविष्य में कोई भी ठेकेदार विभाग के साथ काम करने का साहस नहीं जुटा पाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस भ्रष्ट जुगलबंदी पर लगाम लगाता है या फिर यह लूट यूँ ही जारी रहती है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शिकायतों के निराकरण में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लंबित प्रकरणों के शत-प्रतिशत निराकरण के निर्देश दिए। वहीं लोक निर्माण विभाग के डी ग्रेड में होने पर शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वन विभाग को सभी विभागों से समन्वय बनाकर मुद्दों को प्राथमिकता में रखकर निराकरण करने के निर्देश दिए।
बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को पेंशन प्रकरणों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए गए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने सभी निर्माण विभागों से कार्यों की सूची एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। साथ ही सभी विभागों को कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा।
बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह, अपर कलेक्टर पी.के. सेनगुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया एवं अमित सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

गश्ती के दौरान मृत अवस्था में मिला बाघ

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतर्गत खितौली परिक्षेत्र की पश्चिम बगदरी बीट के ढमढमा कैंप के सुरक्षा श्रमिकों द्वारा बाघों के लडऩे की आवाज सुनी गई। जिसके उपरांत गश्ती दल के द्वारा ढमढमा क्षेत्र की सघन छानबीन की गई। छानबीन एवं गश्ती के दौरान एक बाघ मृत अवस्था में मिला। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा दूर से किए गए प्राथमिक परीक्षण में प्रथम दृष्ट्या बाघ की मृत्यु आपसी संघर्ष से होना पाया गया है। उन्होने बताया कि बाघ के शरीर पर हमले के निशान है तथा प्रथम दृष्टया समस्त अंग मौके पर सुरक्षित पाए गए है। स्थल की घेराबंदी की गई है तथा आगे की छानबीन एवं विवेचना हेतु हाथी गश्ती दल, डॉग स्क्वाड, मेटल डिटेक्टर दल को सूचित किया गया है। आगे की समस्त कार्यवाही एनटीसीए द्वारा जारी गाइडलाइन एवं एसओपी के आधार पर की जा रही है।

बिजुरी पुलिस द्वारा गुम नाबालिग बालिका को 24 घंटे में किया गया दस्तयाब

बिजुरी। पुलिस मुख्यालय द्वारा नाबालिग गुम इंसान बालक बालिकाओ की दस्तयाबी करने हेतु त्वरित कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगन्नाथ मरकाम एवं एस. डी.ओ.पी. कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में बिजुरी पुलिस द्वारा 10 मई को गुम शुदा नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर उसके परिजनो को सुपुर्द किया गया। 08 मई को फरियादिया अपनी बहूं एवं समधी के थाना उपस्थित आकर जुवानी रिपोर्ट लेख कराई कि मेरी नातिन जिसकी जन्मतिथि 24 जनवरी 2012 है कक्षा 6 वीं तक पढी लिखी है तथा एक वर्ष से उसका दिमागी संतुलन ठीक नही है 07 मई के शाम 06.00 बजे घर के पीछे बाडी तरफ से बिना बताए कही चली गई है मेरी नाबालिक नातिन को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसला कर अपने साथ कही भगा ले गया है फरियादिया की रिपोर्ट पर अपराध क्र. 179/2026 धारा 137 (2) बीएनएस का कायम कर अनुसंधान में लिया गया। नाबालिग की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के चलते उसके साथ अप्रिय घटना संभावित थी इसलिए तुरंत पुलिस टीम बनाकर उसके जाने के संभावित स्थानों में सघन चेकिंग अभियान चलाकर की गई जो अपहृत नाबालिग बालिका को 09 मई को अनूपपुर से दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया। परिजनो के द्वारा पुलिस की तत्परता एवं सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यवाही में निरी विकास सिंह, सउनि उदय प्रजापति, आर. लक्ष्मण डांगी, म.आर. संगम तोमर, आर आनंद सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

गाय के मल मार्ग में आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति के द्वारा डाल दिया गया लोहे का राड

युवाओं एवं वार्ड वासियों में गुस्से का माहौल

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोबिंदा कालोनी मे एक अमानवी कृत्य करने का मामला सामने आया है जहां एक गाय के मल मार्ग में किसी आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति के द्वारा एक लंबी लोहे की राड डाल दिया गया जिसके कारण युवाओं एवं वार्ड वासियों में गुस्से का माहौल देखा गया। जिसके संबंध में वार्ड क्रमांक 12 गोविंद कॉलोनी के युवाओं ने सोमवार को थाना पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा जिसमें यह उल्लेख किया गया कि सोमवार को गोविंदा नर्सरी के पास एक गाय दर्द से कराह रही थी जिसके मल मार्ग में किसी आपराधिक व्यक्ति के द्वारा लोहे की राड बड़ी ही बेरहमी से डाल दिया गया था घटना की जानकारी लगते ही युवाओं की टीम एवं वार्डवासी मौके पर पहुंच गए घटना की जानकारी डायल 112 को दी गई एवं मौके पर पशु चिकित्सक को बुलाते हुए बडी मशक्कत के बाद पशु चिकित्सक के द्वारा गाय के मल मार्ग से लंबी लोहे की राड बाहर निकाला गया। ज्ञापन मे लेख किया गया कि वह रास्ता मंदिर के लिए जाता है जहां बच्चियां एवं महिलाएं पूजा करने के लिए जाती है कहीं किसी दिन ये असमाजिक तत्व कोई बड़ी घटना को अंजाम न दे डाले क्योंकि गोबिंदा कालोनी मे कई प्रकार के नशा सामग्री मिलने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। युवाओ ने मांग की है कि ऐसा अमानवीय कृत्य करने वाले अज्ञात असामाजिक तत्वों के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए कार्यवाही की जाये। ज्ञापन सौंपने वालों मे समाजसेवी अर्पण सिंह विक्कू, मोहम्मद जाहिद, शांति केवट, शीतल यादव, राजकुमार, मनोज कुमार, हेमराज केवट, प्रणव पाठक, दीपक केवट, कीर्ति प्रताप सिंह, मनीषा गुप्ता, पूरन केवट सहित वार्डवासी शामिल रहे।

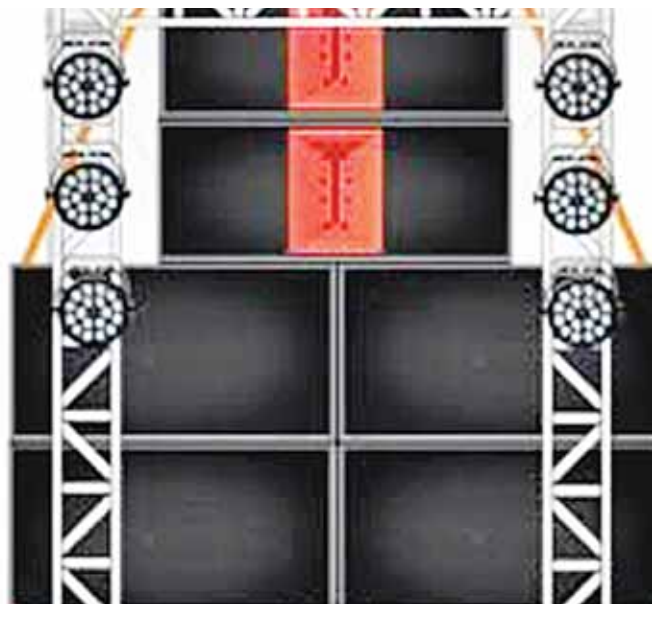

बे टाइम बज रहे डीजे पर कार्यवाही की दरकार

ध्वनि प्रदूषण से नागरिक त्रस्त, शादी और अन्य आयोजनों में तेज आवाज में बज रहे डीजे

कोतमा। शादी-विवाह सहित अन्य उत्सवों के नाम पर नगर सहित आसपास ग्रामीण इलाकों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के बेजा इस्तेमाल से बढ़ रहे ध्वनि प्रदूषण के कारण नागरिक बेहद त्रस्त हैं। अत्याधिक शोर करने वाले डीजे सहित अन्य यंत्रों पर पाबंदी के बावजूद इनका जमकर उपयोग किया जा रहा है और प्रतिबंधात्मक आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। प्रशासनिक कार्यवाही न होने से इनका इस्तेमाल करने वाले लोगों के हौंसले बुलंद हैं और नागरिक तकलीफ भोगने मजबूर। ज्ञातव्य है कि ध्वनि प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने प्रदूषण फैलाने वाले यंत्रों भौंपू हार्न, लाउंड स्पीकर, तीव्र संगीत डी जे पर प्रतिबंध लगाया है। जिले को शांत क्षेत्र घोषित किया है। इसके बावजूद नगर में अभी भी दिन और रात ध्वनि विस्तारक यंत्रों और डीजे की तीव्र ध्वनि बिना अनुमति के इस्तेमाल हो रहे हैं। कर्कश कानफोडू डीजे सहित अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल के साथ ही हाईकोर्ट के निर्देश के बाद से धार्मिक सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी लाउडस्पीकर प्रतिबंधित हैं, लेकिन निजी प्रचार-प्रसार में लाउड स्पीकर का खूब प्रयोग हो रहा है। वहीं स्थानीय दुकानदारों के लोक लुभावने कानफोडू प्रचार-प्रसार नियम विरुद्ध रिक्शों एवं छोटा हाथी जैसे वाहनों में बड़े-बड़े साउंड सिस्टम से कराये जा रहे हैं जिनके कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस प्रचार प्रसार की प्रतिस्पर्धा में तो कुछ दुकानदार दो-दो साउंडसिस्टम और लाउंड स्पीकर का उपयोग कर रहे हैं। जारी आदेश में स्पष्ट रुप से अस्पतालों निजी नर्सिंग होम, शैक्षणिक संस्थाओं, दूरभाष केंद्र, शासकीय कार्यालयों स्थानीय प्राधिकरण के कार्यालयों और बैंक प्रतिष्ठानों के आसपास 100 मीटर के दायरे को शांत क्षेत्र घोषित किया गया है। इस परिधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग वर्जित रहेगा। इसके बावजूद शहर में बड़े-बड़े साउंड सिस्टमों का उपयोग हो रहा है। आदेशानुसार राष्ट्रीय एवं सामाजिक समारोह एवं धार्मिक उत्सवों में इसके लिए छूट अवश्य मिली है परन्तु अन्य व्यवसायीकरण और निजी आयोजन के लिए नियमानुसार अनुविभागीय और कार्यपालन दण्डाधिकारी से अनुमति ली जा सकती है। मध्य प्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 4, 5, 6 और 7 के उपबंधों से छूट के लिए अनुमति लेना जरुरी है। अनुमति के आधार पर निर्धारित न्यूनतम ध्वनि तीव्रता वाले के उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है, लेकिन नगर में कई जगह बिना अनुमति से तीव्र गति से ध्वनि विस्तारक यंत्रों का इस्तेमाल हो रहा है जिससे नागरिक परेशान हैं। जिस पर प्रशासन के द्वारा कार्यवाही की दरकार है।

खबर संक्षेप

म. प्र. शिक्षक संघ नें संभागीय मुख्यालय में कोष एवं लेखा के संचालन हेतु संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमान्द्री सिंह से भेंटकर सौंपा ज्ञापन

बुढार। म. प्र. षिक्षक संघ नें संभागीय मुख्यालय षहडोल में कोष एवं लेखा के कार्यालय संचालन की न्याय संगत मांग को लेकर शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह से भेटकर ज्ञापन सौंपा। म. प्र. शिक्षक संघ की संभागीय इकाई के प्रतिनिधिमंडल के प्रांतीय प्रकोष्ठ प्रमुख जनजातीय कार्य विभाग अनिल कुमार सिंह एवं संभागीय अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह से उनके गृह ग्राम राजेन्द्रग्राम में भेंटकर समस्या से अवगत कराया और मांगपत्र सौंपा। म. प्र. शिक्षक संघ नें सांसद को सौंपे ज्ञापन में उल्लेखित किया कि - शहडोल संभाग में कोष एवं लेखा का संभागीय कार्यालय संचालित नहीं होने से कर्मचारियों एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, और वर्तमान में पेंशन एवं अन्य स्वत्वों के भुगतान संबंधी कार्यों के लिए रीवा कार्यालय जाना पड़ता है, जिससे समय एवं आर्थिक व्यय का सामना करना पड़ता है, ऐसी स्थिति में प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि - शहडोल मुख्यालय पर शीघ्र कोष एवं लेखा का संभागीय कार्यालय संचालित करवाया जाये, जिससे संभाग के कर्मचारियों को सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध हो सकें। षिक्षक संघ की समस्या को सांसद हिमाद्री सिंह ने गंभीरता से लेते हुए आयुक्त कोष एवं लेखा भोपाल से दूरभाष पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान कोष एवं लेखा द्वारा समस्या के शीघ्र निराकरण का आश्वासन संघ के प्रतिनिध मंडल को दिया गया।

स्व. पवन कुमार चमड़िया के स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित

बुढार। मानवता की सेवा और परोपकार की भावना के साथ सोमवार को स्व. पवन कुमार चमड़िया की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर स्थानीय 'विलासा इंटरनेशनल' में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान-जीवनदान के संकल्प के साथ आयोजित इस शिविर में नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।स्वैच्छिक रक्तदान से उमड़ा उत्साह शिविर का शुभारंभ सुबह 11 बजे हुआ। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, नगर के गणमान्य नागरिकों और युवाओं का उत्साह देखने लायक था। कई लोगों ने स्वेच्छा से आगे आकर रक्तदान किया और इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम के संयोजक राजेश कुमार चमड़िया ने अपने पूज्य पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहाःरपिताजी की स्मृति में आयोजित इस रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य पीड़ित मानवता की सेवा करना है। हमारे द्वारा दान किया गया रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवनदान साबित हो सकता है।

माला पंचायत में बिना रॉयल्टी की रेत और मुरुम से सडक़ तैयार

पंचायती राज या बंदरबांट का राज?

मानपुर। किसी दौर में कहा जाता था कि पंचों में परमेश्वर बसते हैं, लेकिन कलयुगी पंचायती राज ने इस कहावत को दफन कर दिया है। अब तो पंचायतों में परमेश्वर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के सौदागर बसते हैं। सरकारी खजाने को अपना निजी बटुआ समझने वाले जनप्रतिनिधि और सरकारी कारिंदों के बीच इन दिनों मलाई मारने की ऐसी होड़ मची है कि मर्यादा और नियम-कायदे शर्म से पानी-पानी हो रहे हैं। मानपुर जनपद की पंचायतों में भ्रष्टाचार का दलदल इतना गहरा है कि यहां लाखों डकार जाना डकार लेने जितना ही आसान है।

धरातल पर लूट की सीसी रोड

ताजा और जीवंत मामला ग्राम पंचायत माला का है, यहां विकास के नाम पर सरकारी धन की ऐसी होली खेली जा रही है कि देखने वाले भी दंग रह जाएं। ग्राम पंचायत माला में राजन सिंह के घर से लेकर हनुमंत सिंह के घर के आगे तक एक सीसी सडक़ का निर्माण स्वीकृत

हुआ। 31 जनवरी 2026 को इस काम के लिए 5 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई। नियम कहता है कि 1 लाख रुपये मजदूरों के पसीने की कीमत होगी और 4 लाख रुपये निर्माण सामग्री पर खर्च होंगे। मजे की बात देखिए, मजदूरों को अभी फूटी कौड़ी नसीब नहीं हुई, लेकिन निर्माण सामग्री के नाम पर 3 लाख से अधिक का भुगतान कर दिया गया।

अजब मुकेश की गजब कहानी

भ्रष्टाचार के इस खेल में मुकेश यादव जमुनारा नामक फर्म की एंट्री किसी जादुई किरदार की तरह हुई है। इस फर्म ने पंचायत को रेत और मुरुम की सप्लाई दी है। जब इस अदृश्य खदान के बारे में पड़ताल की गई, तो जो सच सामने आया वह किसी कॉमेडी फिल्म की सक्रिप्ट से कम नहीं है। नदी से अवैध तरीके से रेत उठाई गई, जिसकी कोई रॉयल्टी नहीं चुकाई गई। जिले में मुरुम की कोई अधिकृत खदान स्वीकृत नहीं है, लेकिन मुकेश यादव के पास अलादीन का चिराग है। उनका दावा है कि उन्होंने अपने खेत की मिट्टी को ही

मुरुम बनाकर सप्लाई कर दिया और भुगतान भी ले लिया। जब इस घालमेल पर सवाल पूछे गए, तो तथाकथित रसूखदारों के फोन घनघनाने लगे। मामा-फूफी के रिश्तों का हवाला देकर धौंस जमाई जाने लगी कि कलेक्टर साहब का आदेश है कि सरकारी काम में रॉयल्टी और खदान की जरूरत नहीं होती। अब सवाल यह है कि क्या नियम सिर्फ आम जनता के लिए हैं या भ्रष्टाचार को संरक्षण देने के लिए कलेक्टर के नाम का सहारा लिया जा रहा है।

हमें रॉयल्टी से क्या लेना-देना

पंचायत के जिम्मेदार इस कदर निर्भीक हैं कि उन्हें कानून का जरा भी खौफ नहीं है। ग्राम पंचायत माला के सचिव राम भुवन गुप्ता का तर्क सुनकर आप अपना सिर पीट लेंगे। सचिव महोदय का कहना है कि उन्हें न खदान से मतलब है और न रॉयल्टी से। उनके पास जीएसटी नंबर वाली पर्ची आ गई, तो उन्होंने भुगतान कर दिया। वाह सचिव जी! कल को कोई श्मशान की मिट्टी को सोना बताकर जीएसटी बिल थमा दे, तो क्या आप सरकारी खजाना उसके कदमों में डाल देंगे?

अफसरों की मेहरबानी

मानपुर में यह कोई पहला मामला नहीं है। यहां दर्जनों शिकायतें धूल फांक रही हैं। निर्माण की पुष्टि, गुणवत्ता की जांच और मौका मुआयना जैसे शब्द शायद अफसरों की डिक्शनरी से डिलीट कर दिए गए हैं। सचिवों पर अफसरों की रहमत इस कदर बरस रही है कि वे खुलेआम कह रहे हैं कि हम बेखौफ हैं। दरअसल, इस पूरे खेल के पीछे सफेदपोश नेताओं का वरदहस्त है। जब भी कोई बड़ी गड़बड़ी सामने आती है, ऊपर से फोन आ जाता है और कार्यवाही की फाइल ठंडे बस्ते में चली जाती है। जिम्मेदार अधिकारी भी सबकुछ जानकर धृतराष्ट्र बने बैठे हैं। अगर कोई जागरूक नागरिक संज्ञान में बात लाए, तो उसे शिकायत दर्ज कराओ का झुनझुना थमाकर टरका दिया जाता है। माला पंचायत का यह भ्रष्टाचार तो महज एक बानगी है। हकीकत में, विकास की सीसी सडक़ें भ्रष्टाचार की नींव पर खड़ी की जा रही हैं। बिना रॉयल्टी की रेत और खेत की मिट्टी से बनी ये सडक़ें पहली बारिश में ही पंचायत के दावों की पोल खोल देंगी।

एकात्म पर्व में गूंजे आदि गुरु शंकराचार्य के विचार

उमरिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जिला पंचायत सभागार उमरिया में आयोजित जिला स्तरीय एक दिवसीय व्याख्यानमाला 'एकात्म पर्व' में आदि गुरु शंकराचार्य के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री भंडारी ने कहा कि समाज में समरसता, समानता और एकात्मता स्थापित करने के लिए शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य ने सामाजिक विषमताओं और वैचारिक मतभेदों के दौर में विश्व को एक सूत्र में जोडऩे का मार्ग दिखाया।मुख्य वक्ता अभय पाण्डेय ने कहा कि आचार्य शंकराचार्य के चिंतन की व्यापकता आज भी पूरी तरह समझी नहीं जा सकी है। उन्होंने मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा इस विचारधारा के प्रचार-प्रसार को सराहनीय बताया। विशिष्ट अतिथि एवं शहडोल संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर ने कहा कि आचार्य शंकराचार्य सामाजिक समरसता के महान पुरोधा थे और उन्होंने चार मठों की स्थापना कर भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म को नई दिशा दी। कार्यक्रम का संचालन संतोष त्रिपाठी ने किया तथा आभार प्रदर्शन जिला समन्वयक रविन्द्र कुमार शुक्ला ने किया।

सड़कें बदहाल, पाइप लाइन खुदाई से बढ़ी परेशानी

धनपुरी। नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों की धीमी रफ्तार और बदहाल सड़कों को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नगर के मुख्य मार्ग से लेकर कई वार्डों की गलियां तक गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। मॉडल रोड स्थित अटल द्वार से बघइया पुल के आगे तक सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं वार्ड नंबर 22, 23, 4 और 17 सहित कई वार्डों में पाइपलाइन विस्तार के नाम पर सड़कें खोदकर छोड़ दी गई हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पालिका द्वारा बिना उचित योजना के खुदाई कर दी गई, लेकिन महीनों बाद भी न पाइपलाइन डाली गई और न ही सड़क को समतल किया गया। संकरी गलियों में छोड़े गए गड्ढों के कारण आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कई जगह दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। वार्ड नंबर 22 में लोगों द्वारा विरोध जताने और हंगामा करने के बाद पाइपलाइन डालने का कार्य शुरू किया गया, लेकिन अन्य वार्डों में अब भी हालात खराब बने हुए हैं।नगरवासियों का कहना है कि नगर पालिका वार्डों की मूलभूत समस्याओं पर कम ध्यान दे रही है, जबकि नए निर्माण कार्यों और घोषणाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर केवल कागजी प्रक्रिया और टेंडर दिखाई दे रहे हैं, जबकि जमीनी

स्तर पर काम बेहद धीमी गति से हो रहा है।लगभग एक साल बाद नगर पालिका चुनाव होने हैं। ऐसे में खराब सड़कें, अधूरे विकास कार्य और पाइपलाइन खुदाई अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनते नजर आ रहे हैं। कई वार्ड पार्षद विकास के वादों और मूलभूत सुविधाओं के मुद्दे पर चुनाव जीतकर आए थे, लेकिन वार्डवासियों का कहना है कि आज भी कई वार्डों में सड़क, नाली और पाइपलाइन जैसी मूल सुविधाएं अधूरी हैं। विकास कार्यों की कछुआ चाल से पार्षदों की भी मुश्किलें बढ़ रही हैं और उन्हें जनता के सवालों का सामना करना पड़ रहा है।बारिश का मौसम करीब होने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते गड्ढों की मरम्मत और डामरीकरण नहीं कराया गया तो बरसात में हालात और गंभीर हो जाएंगे। छोटे गड्ढे बड़े गड्ढों में बदल जाएंगे और आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो सकता है।

40 डिग्री की तपिश में धनपुरी को मिली ठंडी राहत

धनपुरी। भीषण गर्मी, झुलसा देने वाली धूप और लगातार बढ़ते तापमान के बीच नगर पालिका धनपुरी ने आम लोगों को राहत देने के लिए अनोखी पहल की है। नगर के प्रमुख स्थल आजाद चौक एवं नेहरू कॉलेज तिराहे पर पहली बार वॉटर स्प्रे मिस्ट सिस्टम लगाया गया है, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और बाजार आने-जाने वाले लोगों को तेज गर्मी में ठंडी फुहारों का एहसास हो रहा है।करीब 40 डिग्री तापमान के बीच शुरू की गई यह व्यवस्था नगरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। सुबह और शाम के समय लोग आजाद चौक पर रुककर मिस्ट की ठंडी बूंदों के बीच राहत महसूस कर रहे हैं।मुख्य नगरपालिका अधिकारी पूजा बुनकर ने बताया कि बढ़ती गर्मी और गिरती वायु गुणवत्ता को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। मिस्ट सिस्टम से वातावरण में नमी बनी रहती है, जिससे तापमान में कमी आती है और उड़ने वाली धूल भी नियंत्रित होती है। इससे हवा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा।उन्होंने कहा कि नगरपालिका का उद्देश्य सिर्फ सौंदर्यीकरण नहीं बल्कि लोगों को भीषण गर्मी से राहत देना है। नगर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में इस तरह की आधुनिक व्यवस्था आगे भी बढ़ाई जा सकती है। जानकारी के अनुसार तीन नंबर कॉम्प्लेक्स एवं मॉडल रोड डिवाइडर क्षेत्र में भी इसी तरह के मिस्ट सिस्टम लगाए जाने की तैयारी चल रही है। नगरवासियों ने नगरपालिका की इस पहल की खुलकर सराहना की है। लोगों का कहना है कि पहली बार नगर में गर्मी से राहत देने के लिए इस तरह की आधुनिक व्यवस्था देखने को मिली है। इससे चौक की सुंदरता भी बढ़ी है और लोगों को कुछ पल सुकून के मिल रहे हैं।वहीं जागरूक नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि आजाद चौक फव्वारा क्षेत्र के आसपास अव्यवस्थित तरीके से खड़ी छोटी-बड़ी गाड़ियों पर नियंत्रण किया जाए।

मातृ दिवस पर 50 से भी अधिक माताओं को साड़ी कपड़े उपहार स्वरूप भेंट कर शुभकामनाएं दी

उमरिया। विश्व मातृ दिवस के उपलक्ष्य पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा ग्रामीण अंचलों पर वृध्द व असहाय महिलाओं को चिन्हित कर सभी 50 महिलाओं को साड़ी कपड़े उपहार स्वरूप भेंट किए गए। एवं साथ ही साथ माताओं के आशीर्वाद प्राप्त किया।युवा टीम के इस कार्य की काफी प्रशंसा भी हो रही है।

पाली पुलिस से थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि युवाओं की ये सराहनीय पहल है।उन्होंने कहा कि माताओ के त्याग व बलिदान के सम्मान में मातृ दिवस मनाया जाता है। वैसे तो मां का दर्जा भगवान से भी ऊंचा है, और मां के आदर सम्मान के लिए एक दिन नहीं पूरा जीवन कम पड़ता है। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने कहा कि नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः। नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।अर्थात, माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है।उन्होंने कहा कि विश्व माता दिवस पर 50 माताओं को साड़ी कपड़े भेंट किए गए। उन्होंने कहा कि एक माँ हर एक की सबसे अच्छी दोस्त होती है। क्योंकि वह हर एक चीज का ध्यान रखती है जिसकी हमें जरूरत होती है इसलिए उन्हें धन्यवाद और आदर देने के लिए वर्ष का एक दिन समर्पित किया गया है।

संगठन को और अधिक सषक्त बनानें लिया गया सर्वसम्मति से निर्णय

हमारा गांव संगठन म. प्र. की प्रदेश कार्यसमिति बैठक बुढार में संपन्न

बुढार । हमारा गांव संगठन मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्य समिति की बैठक मोती गार्डन बुढार में विकास खंड स्तरीय आयोजित की गई जिसमें हमारा गांव संगठन के प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे ने संगठन के रीति नीति की जानकारी संगठन से जुडे. कार्यकर्ताओं को विस्तार पूर्वक अवगत कराया और संगठन के संविधान अनुरूप दायित्वों के निर्वहन की आकांक्षा व्यक्त की गई।संगठन की आहुत बैठक अवसर पर सदस्य रवि जी नें संगठन के उद्देश्य तथा शासकीय योजना हमारा अधिकार को विस्तार पूर्वक अवगत कराया और अपनें उद्बोधन में कहाकि - भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजना का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को षासन की मंसानुरूप मिले इस दिषा में संगठन के सदस्य सार्थक पहल करें, जो संगठन का मुख्य उद्देष्य है।बैठक के द्वितीय सत्र में प्रदेश संस्कृति एवं रीति रिवाज प्रमुख महादेव बारस्कर ने आदिवासी समुदाय के संस्कृति के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये कहाकि - हम सभी की जिम्मेदारी है कि समाज के संस्कृति को जीवंत बनाये रखना। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं आरटीआई प्रमुख जितेंद्र सिंह मरकाम ने समाज के प्रति चिंता व्यक्त करते हुये कहाकि - आज के बदलते हुए परिवेश में आदिवासी समाज अपनी परंपरा भूलता जा रहा है, जिसका आगामी परिणाम अच्छा प्रतीत नहीं होगा, इस संगठन को ससक्त की दिषा में सार्थक कदम उठाने की आवष्यक्ता है। उन्होनें उमरिया जिले में आवास घोटाले पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं होने पर चिन्ता जाहिर की। बैठक के अंतिम सत्र में रवि जी एवं दुर्गेश धुर्वे ने नर्मदापुरम जिले के वन अधिकारी एसडीओ द्वारा दो आदिवासीयों को बंधक बनाकर मारपीट करने के विरोध में निंदा प्रस्ताव पारित कर प्रत्येक जिले में मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन देने का निर्णय लिया साथ ही आगामी कार्य योजना की रणनीत का निर्धारण किये। बैठक में प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे प्रदेश, अध्यक्ष जितेंद्र सिंह, प्रदेश संस्कृति एवं रीति रिवाज प्रमुख महादेव बारस्कर, योजना प्रमुख शिवकुमार कुंजाम प्रदेश मीडिया प्रमुख विकास सेलुकर सहित जिला संयोजक, जिला अध्यक्ष ब्लॉक पदाधिकारियों की विषिष्ट उपस्थिति रही। बैठक में संगठन के नवीन दायित्व की घोषणा की गई जिसमें जितेंद्र सिंह मरकाम को प्रदेश अध्यक्ष, सूर्यपाल सिंह आर्मो जिला अध्यक्ष उमरिया, करन चढ़ोकर कार्यकारी अध्यक्ष बैतूल, पवन धुर्वे जिला मीडिया प्रभारी बैतूल, प्रमोद धुर्वे ब्लॉक अध्यक्ष तामीया, शैल भारती अध्यक्ष हर्राई, टिका परस्ते ब्लॉक संयोजक शाहपुरा, भारत सिंह मरावी अध्यक्ष शाहपुरा, हीरा धुर्वे ब्लॉक आरटीआई प्रमुख, रघुवीर परस्ते ब्लॉक संस्कृति एवं रीति रिवाज प्रमुख, सुरेंद्र सिंह मशराम ब्लॉक कोषाध्यक्ष पाली, समहारु सिंह ब्लॉक अध्यक्ष गोहपारू, रामकिशोर सिंह ब्लाक अध्यक्ष बुढार, गेंदलाल सिंह मरावी आरटीआई प्रमुख बुढार को उपरोक्त दायित्व प्रदान किया गया है।

निर्वाचन हेतु, अजय नामदेव को नियुक्त किया गया मुख्य चुनाव अधिकारी

नामदेव समाज विकास परिषद म. प्र. का निर्वाचन 17 मई को होगा संपन्न

बुढार। नामदेव समाज विकास परिषद मध्यप्रदेश के 17 मई को संपन्न होने वाले निर्वाचन को लेकर संत नामदेव सामुदायिक भवन, भोपाल में बैठक आहूत की गई जिसमें सर्वसम्मति से अजय कुमार नामदेव (एड.) को मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया।

नामदेव समाज विकास परिषद म.प्र. भोपाल पंजीयन क्रमांक 3315 के संगठनात्मक चुनाव हेतु लिये गये निर्णय अनुसार - 16 मई को नामांकन पत्र प्रस्तुत किया जायेगा तथा 17 मई को चुनाव संपन्न कराया जायेगा, जिसको लेकर समाज के बंधुओं में व्यापक उत्साह बना हुआ है। चुनाव हेतु बैठक में सहायक चुनाव अधिकारियों एवं अन्य व्यवस्था अधिकारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार नामदेव नें उक्ताशाय

की जानकारी देते हुये बताया कि - संत नामदेव सामुदायिक भवन, भोपाल में संपन्न होने वाले चुनाव हेतु नामांकन की प्रक्रिया 16 मई को प्रांतीय कार्यकारिणी अध्यक्ष, महामंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु नामांकन पत्र भरा जायेगा जो प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकेंगा, और प्रस्तुत नामांकन पत्रों के स्क्रूटनी अपरान्ह 3 बजे होगी इसके उपरांत अंतिम सूची शायं 4 बजे प्रकाशित कर दी जायेगी। निर्वाचन हेतु महत्वपूर्ण निर्देश यह दिया गया है कि - किसी सदस्य अथवा उनके पिता के नाम में मतदाता सूची में कोई त्रुटि है, तो संबंधित सदस्य मतदान के समय आधार कार्ड एवं सदस्यता रसीद प्रस्तुत कर सुधार करा सकेंगे, और किसी भी वैध मतदाता को मतदान से वंचित नहीं किया जायेगा। चुनाव के दौरान कोई भी प्रत्याशी अपने साथ निजी सुरक्षा गार्ड नहीं रख सकेगा, चुनाव समिति के सदस्यों के साथ किसी प्रकार अभद्र व्यवहार करने पर वैधानिक कार्रवाई सुनिष्चित की जायेगी। नामांकन शुल्क प्रत्येक इच्छुक अभ्यार्थी हेतु 11 हजार रू नगद शुल्क जमा करना होगा, जो किसी भी स्थिति में वापस योग्य नहीं होगा। 17 मई को प्रातः 10:30 बजे से परिषद के आजीवन एवं संरक्षक सदस्यों की आमसभा आयोजित होगी, जिसमें प्रस्तुत उम्मीदवारों के विभिन्न पदों के लिये सहमति बनाने का प्रयास किया जायेगा, और सहमति बनानें का प्रयास किया जायेगा, सहमति नहीं बननें पर उसी दिवस अपरान्ह 1 बजे से शायं 6 बजे तक मतदान मतपत्र के माध्यम से संपन्न कराया जायेगा। मतगणना एवं परिणाम - मतदान समाप्ति के बाद शायं 7 बजे से मतगणना प्रारंभ की जायेगी, इसके उपरांत परिणामों की विधिवत घोषणा की जायेगी तथा विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र प्रदत्त किया जायेगा।

क्रिकेट का महाकुंभः रोमांचक फाइनल में पावर प्ले-7 बना चैंपियन, राजा सिंघानिया के जौहर से अभिषेक-7 पस्त

बुढ़ार। स्थानीय पावरप्ले टर्फ में आयोजित चार दिवसीय रपावरप्ले प्रीमियर लीग सीजन-का रविवार देर रात भव्य और रंगारंग समापन हुआ। स्व, पवन कुमार चमड़िया की पुण्य स्मृति एवं मातृ दिवस के पावन अवसर पर बिलासा इंटरनेशनल द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में स्थानीय टीम पावर प्ले-7 ने एक बेहद रोमांचक मुकाबले में अभिषेक-7 को अंतिम ओवर में हराकर पहले सीजन का खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम को 31 हजार रुपये नकद और चमचमाती ट्रॉफी से नवाजा गया।

सांसें थाम देने वाला फाइनल मुकाबला

फ्लड लाइट की दूधिया रोशनी में खेले गए खिताबी मुकाबले में अभिषेक-7 ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवरों में एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। पहली पारी के बाद मैच अभिषेक-7 के पक्ष में नजर आ रहा था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पावर प्ले-7 की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने जल्दी 3 विकेट खो दिए।

लेकिन, मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने सूझबूझ दिखाते हुए मैच को अंतिम ओवर तक पहुँचाया। अंतिम 6 गेंदों में जीत के लिए 12 रनों की दरकार थी और पूरे मैदान में सन्नाटा पसरा था। दबाव के क्षणों में पावर प्ले-7 के

बल्लेबाजों ने धैर्य बनाए रखा और अंतिम गेंद पर विजयी रन बनाकर मैदान को जश्न में डुबो दिया। राजा सिंघानिया अपने शानदार प्रदर्शन के लिए फाइनल के हीरो (मैन ऑफ द मैच) रहे।

अतिथियों ने सराहा खिलाड़ियों का जज्बा

मुख्य अतिथि डॉ.पीयूष सिंह ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए कहाःरयह आयोजन पूर्वजों को एक सच्ची श्रद्धांजलि है। मैंने सोचा नहीं था कि पहली पारी के बाद मैच इतना रोमांचक मोड़ लेगा। यह टर्फ क्रिकेट के भविष्य के लिए शुभ संकेत है।

आगामी वर्ष होगा और भी बड़ा आयोजन

मुख्य आयोजक एवं होटल बिलासा के निदेशक राजेश चमड़िया ने बताया कि टूर्नामेंट में 16 टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए वादा किया कि आगामी वर्ष में इसका दूसरा सीजन और भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। आयोजक राजेश एवं मनीष चमड़िया ने मातृ दिवस पर अपनी माता जी और अपने स्व. पिता जी को भावपूर्ण नमन करते हुए इस आयोजन को समर्पित किया।

पुरस्कारों की बौछार

टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार और ट्राफियों से सम्मानित किया गयाः

पुरस्कार विजेता इनाम

विजेता टीम पावर प्ले-7 ₹31,000 + ट्रॉफी + गोल्ड मेडल

उपविजेता टीम अभिषेक-7 ₹11,000 + ट्रॉफी + सिल्वर मेडल,मैन ऑफ द मैच (फाइनल) राजा सिंघानिया नकद + ट्रॉफी,मैन ऑफ द सीरीज अंकित यादव नकद + ट्रॉफी,सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज राजा सिंघानिया ट्रॉफी

आकर्षण का केंद्र रही कमेंट्री

पूरे टूर्नामेंट के दौरान कमेंटेटर मोहम्मद कलाम और जुबैर खान की ओजस्वी आवाज ने दर्शकों को बांधे रखा। फाइनल की रात आलम यह था कि ग्राउंड में खड़े होने तक की जगह नहीं बची थी।

खबर संक्षेप

कोल इंडिया. प्रशासनिक सुधार के तहत उठाया जा रहा बड़ा कदम सूची तैयार

राजनगर। कोल इंडिया और इसकी सहायक कंपनियों में वर्षों से एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों का जल्द ट्रांसफर होगा। प्रशासनिक सुधार के तहत कोल इंडिया प्रबंधन बड़ा कदम उठाने जा रहा है। कंपनी सूत्रों के अनुसार, 15 वर्ष से अधिक समय से एक ही कंपनी अथवा मुख्यालय में कार्यरत अधिकारियों की विस्तृत सूची तैयार की गयी है। जल्द ही बड़े पैमाने पर अधिकारियों का तबादला होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, एसइसीएल में सर्वाधिक 451 अधिकारी व डब्ल्यूसीएल में 352 अधिकारी एक ही स्थान पर जमे हैं। सूची के अनुसार, झारखंड स्थित कोल कंपनी सीसीएल में 250, इसीएल में 201 और बीसीसीएल में 191 अधिकारी ऐसे हैं, जो 15 वर्ष से अधिक समय से एक ही कंपनी में पदस्थ हैं। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड मध्यप्रदेश में शहडोल संभाग के भीतर शहडोल, उमरिया, अनूपपुर जिले में कोयला उत्पादन करती है। जिसमें प्रमुख रूप से सोहागपुर क्षेत्र, जोहिला क्षेत्र, जमुना-कोतमा क्षेत्र, तथा हसदेव क्षेत्र आते हैं। यहां भी कई ऐसे अधिकारी है, जो 15 वर्ष से अधिक वर्ष से इस क्षेत्र में पदस्थ हैं। लंबे समय से एक ही जगह पदस्थ अधिकारियों के कारण पारदर्शिता, प्रशासनिक निष्पक्षता व कार्यसंस्कृति पर लगातार सवाल उठते कोल सेक्टर में चर्चा है, कि आगामी तबादला प्रक्रिया के तहत कई अधिकारियों को अलग-अलग अनुषंगी कंपनियों में भेजा जा सकता है। बीसीसीएल में 191, इसीएल में 201, सीसीएल में 250, एसईसीएल में 451, डब्लूसीएल में 352, एमसीएल में 216, एनसीएल में 147, सीएमपीडीआई में 126, एनइसी 07, दिल्ली कॉरपोरेट ऑफिस में 01, कोल इंडिया मुख्यालय में 12, कुल मिलाकर 1954 लोग शामिल है।

कलेक्टर ने जनगणना कार्य में लापरवाही पर तीन शिक्षकों की रोकी वेतनवृद्धि

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी हर्षल पंचोली ने तहसीलदार एवं चार्ज जनगणना अधिकारी कोतमा (ग्रामीण), तहसील कोतमा के प्रतिवेदन पर जनगणना कार्य में लापरवाही बरतने वाले तीन शिक्षकों की आगामी एक वेतनवृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिए हैं। इनमें शासकीय प्राथमिक विद्यालय जरहाटोला की प्राथमिक शिक्षक श्रीमती रूकमणि प्रजापति, शासकीय प्राथमिक विद्यालय लेदरा के प्राथमिक शिक्षक भान सिंह परिहार एवं शासकीय प्राथमिक विद्यालय सरईटोला के प्राथमिक शिक्षक श्रीकांत मिश्रा शामिल हैं। यह कार्यवाही मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 10 (चार) के तहत की गई है।

जिले में अब तक 355 किसानों से 971.55 मीट्रिक टन गेहूँ की हुई खरीदी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले में गेहूँ की खरीदी जारी हैं। जिले में 15 अप्रैल से शुरू हुई उपार्जन प्रक्रिया के तहत अब तक 355 किसानों से 971.55 मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। गेहूँ खरीदी की अंतिम तिथि 23 मई निर्धारित है। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 2585 रुपये और राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रुपये बोनस को मिलाकर कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है। खाद्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि जिले में गेहूँ उपार्जन के लिए कुल 1367 किसानों ने पंजीयन कराया है। सुचारू खरीदी के लिए जिले में कुल 6 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 5 गोदाम स्तरीय केंद्र और 1 समिति स्तरीय केंद्र शामिल है। अब तक 478 किसानों द्वारा अपनी उपज विक्रय हेतु स्लॉट बुकिंग की जा चुकी है। अब तक 876.8 मीट्रिक टन गेहूँ का परिवहन किया जा चुका है, जो कुल खरीदी का 90.25 प्रतिशत है। खाद्य विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समयावधि में अपनी उपज का विक्रय कर शासन की इस योजना का लाभ उठाएं।

एक अकेला सब पर भारी

सात मवेशियों का कर चुका कत्लेआम

जंगल से लेकर गांव तक फैलाया आतंक

अनूपपुर जिले में एक आक्रोशित दंतैल हाथी का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार की रात खांडा गांव में हाथी ने एक बछिया को बेरहमी से मार डाला और ग्रामीण के घर में सातवीं बार हमला कर उसे पूरी तरह तहस-नहस कर दिया है। बीते पांच दिनों में सात पालतू मवेशियों की मौत से ग्रामीण भय और दहशत में जी रहे हैं। लोगों ने जिला प्रशासन, प्रभारी मंत्री और वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हाथी से मुक्ति दिलाने की मांग की है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

छत्तीसगढ़ सीमा से अनूपपुर जिले में प्रवेश कर चुका एक खतरनाक दंतैल हाथी पिछले एक माह से लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में आतंक मचा रहा है। हाथी अब तक सात पालतू मवेशियों को मौत के घाट उतार चुका है और कई ग्रामीणों के घरों को नुकसान पहुंचा चुका है। रविवार की रात जिला मुख्यालय से सात किलोमीटर दूर ग्राम खांडा में हाथी ने खेत में चर रही बछिया को दौड़ा-दौड़ा कर मार डाला। इतना ही नहीं, ग्रामीण मोहन सिंह के कच्चे मकान में सातवीं बार हमला कर उसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। लगातार हमलों के कारण ग्रामीण अपना घर छोड़ रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि जिले के प्रभारी मंत्री और वन राज्यमंत्री जनता की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। वहीं हाथी की निगरानी में लगी टीम पर भी शासकीय वाहन का दुरुपयोग कर लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। खांडा गांव में दहशत का माहौल

रविवार की रात हाथी ने खांडा बांध के पास खेत में चर रही तीन वर्षीय बछिया पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के दौरान हाथी ने खेत में लगे कटहल और बांस के पेड़ों को भी तोड़ डाला। ग्रामीणों के अनुसार हाथी देर रात जंगल से निकलकर पहले बांध में पानी पीता है और फिर गांव की ओर बढ़ जाता है। हाथी की लगातार मौजूदगी के कारण ग्रामीण रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। बच्चों और महिलाओं में भय का माहौल है तथा ग्रामीण घरों से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं।

सातवीं बार टूटा ग्रामीण का आशियाना

ग्राम खांडा निवासी मोहन सिंह का घर हाथी के आतंक का सबसे बड़ा शिकार बना है। हाथी अब तक सात बार उनके घर में तोड़फोड़ कर चुका है। रविवार रात फिर हाथी ने घर और गौशाला को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। कुएं के ऊपर रखी लकड़ियां भी हाथी ने धकेल दीं। लगातार नुकसान के कारण मोहन सिंह अपनी मां और बच्चों के साथ रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन केवल कागजी कार्रवाई कर रहा है, जबकि प्रभावित परिवारों को न तो सुरक्षा मिल रही है और न ही पर्याप्त सहायता मिल पा रही है।

वन विभाग की निगरानी टीम पर उठे सवाल

हाथी की निगरानी के लिए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से कर्मचारियों की टीम तैनात की गई है, लेकिन ग्रामीणों ने टीम की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि रविवार की रात निगरानी करने की बजाय टीम शासकीय वाहन का उपयोग कर रिश्तेदारी निभाने में व्यस्त रही। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निगरानी सही तरीके से होती तो हाथी को गांव में प्रवेश करने से रोका जा सकता था। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शासन स्तर पर हाथी के रेस्क्यू अथवा जिले से बाहर खदेड़ने के लिए पत्राचार करने की बात कह रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है।

प्रभारी मंत्री और सरकार पर ग्रामीणों का गुस्सा

लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। लोगों ने जिले के प्रभारी मंत्री और वन राज्यमंत्री पर जनता की सुरक्षा को लेकर उदासीन रहने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्यवाही नहीं हुई तो किसी बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं जैतहरी क्षेत्र के धनगवां और आमापानी जंगल में तीन हाथियों का समूह भी डेरा डाले हुए है, जिससे आसपास के गांवों में दहशत और बढ़ गई है। ग्रामीण अब शासन से हाथियों के स्थायी समाधान और सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

मानव सेवा के लिए पुष्पेंद्र नामदेव को राज्यपाल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

समाजसेवा, रक्तदान और मानवता की सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने पर अनूपपुर के सामाजिक कार्यकर्ता पुष्पेंद्र नामदेव को विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी मध्यप्रदेश राज्य शाखा भोपाल द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल डंदहनडींप च्ंजमस ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। पुष्पेंद्र नामदेव ह्यूमैनिटी केयर फैमिली वेलफेयर एंड हेल्थ सोसायटी के संचालक हैं और लंबे समय से जरूरतमंदों की सहायता, रक्तदान जागरूकता, गरीब एवं बेसहारा लोगों की मदद सहित विभिन्न सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्था समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर, मानव सेवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करती रही है। सम्मान प्राप्त करने के बाद पुष्पेंद्र नामदेव ने कहा कि यह उपलब्धि पूरी टीम और समाज के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने आगे भी निरंतर मानव सेवा के कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु विशेष सुनवाई शिविर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जनजातीय कार्य विभाग, अनूपपुर के अंतर्गत कार्यरत नियमित और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु विशेष सुनवाई शिविर 13 मई को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, अनूपपुर में प्रातः 9:30 बजे से आयोजित होगा। संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास शहडोल संभाग शहडोल की अध्यक्षता में होने वाले इस शिविर का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के लंबित पेंशन, वेतन विसंगति, क्रमोन्नति एरियर और जीपीएफ भुगतान जैसे गंभीर प्रकरणों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करना है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा और पुष्पराजगढ़ के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों सहित सभी संकुल प्राचार्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के आदेश दिए गए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने साथ स्थापना एवं लेखा शाखा प्रभारी तथा कंप्यूटर ऑपरेटर को समस्त आवश्यक अभिलेखों के साथ लेकर आएँ। प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य उन तकनीकी और कागजी औपचारिकताओं को दूर करना है, जिनकी वजह से कर्मचारियों के वित्तीय स्वत्वों का भुगतान लंबे समय से रुका हुआ है। शिविर के दौरान विशेष रूप से सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के लंबित भुगतान प्रकरणों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे उन सभी संबंधित कर्मचारियों को शिविर में उपस्थित कराएं जिनके मामले विचाराधीन हैं। एक ही स्थान पर विभाग के उच्च अधिकारियों और तकनीकी अमले की मौजूदगी से कर्मचारियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलेगी और उनके सेवा संबंधी प्रकरणों का समयबद्ध निपटारा हो सकेगा।

कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर के लिए डीएम ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर में जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित होता है एवं परिशांति भंग होने की संभावना बनी रहती है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय न्याय संहिता की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर के परिसर में ध्वनि विस्तारक यंत्र पर रोक लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग उक्त परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेनगेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति/संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोई भी दल/संगठन/आंदोलनकारी व्यक्ति, जुलूस/आमसभा या नारेबाजी/ज्ञापन आदि सौंपे जाने से 3 दिवस पूर्व अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर से विधिवत लिखित में अनुमति प्राप्त करेंगे और निर्धारित स्थल पर ही उक्त गतिविधियां करेंगे। प्रतिबंधात्मक आदेश में उल्लेखित किया गया है कि आदेश का उल्लंघन किए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के अंतर्गत अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश 2 माह तक की अवधि के लिए प्रभावशील होगा।

ग्रंथपाल को मिलेगा प्रथम नियुक्ति से पेंशन का लाभ

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर।

नगर पालिका अनूपपुर में पदस्थ वर्तमान में सेवानिवृत ग्रंथपाल रामनारायण पांडे को उनकी प्रथम नियुक्त से पेंशन का लाभ मिलेगा, ज्ञात हो श्री पांडे वर्ष 1988 में नगरपालिका परिषद अनूपपुर में नियुक्त हुए थे वर्ष 2002 में नगर पालिका परिषद द्वारा मप्र शासन के आदेशानुसार नियमित किया गया था, सेवानिवृत्त के पश्चात पेंशन का लाभ नियमित दिनांक से दिया जा रहा था जबकि पूर्व में चौदह वर्ष की सेवावधि को पेंशन के लिए समायोजित नहीं किया गया था, आवेदन और अनुरोध के बाद जब नगर पालिका द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई तो जबलपुर उच्च न्यायालय में याचिका प्रस्तुत किया गया जिसमें आदेश के पश्चात मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने श्री पांडे के आवेदन को निरस्त कर दिया था इसके बाद शासन के नियमों और उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा पारित पूर्व आदेश को आधार बनाकर पुनः रिट याचिका प्रस्तुत की गई जिसमें उच्च न्यायालय जबलपुर ने विस्तृत आदेश पारित करते हुए रामनारायण पांडे को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि को जोड़कर पेंशन भुगतान का आदेश किया है, श्री पांडे का पक्ष दीपक कुमार पांडे एवं अनुभव सिंघल अधिवक्ता द्वारा न्यायालय के समक्ष रखा गया।

करपा में सूत कताई एवं बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड अनूपपुर द्वारा ''पायलट प्रोजेक्ट'' के अंतर्गत एक कौशल विकास कार्यक्रम की शुरुआत की गई। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के जय नारी संकुल संगठन, करपा में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं को सूत कताई एवं बुनाई का प्रशिक्षण दिया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खादी के प्रति रुचि जगाना और संकुल की दीदियों को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत करपा के सरपंच हीरा सिंह, प्रबंधक ग्रामोद्योग सत्यसागर, समन्वयक शिवकांत त्रिपाठी, सहायक विकासखंड प्रबंधक पुष्पराजगढ़ संदीप शर्मा, अध्यक्ष सीसीएफ करपा श्रीमती मोहवती, संकुल की दीदियां उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत करपा के सरपंच हीरा सिंह ने संकुल की महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने आश्वस्त किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर इन दीदियों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा ताकि वे अपने कौशल का लाभ उठाकर समाज में सशक्त पहचान बना सकें। इस अवसर पर ग्रामोद्योग प्रबंधक सत्यसागर ने प्रशिक्षण की विस्तृत रूपरेखा साझा की, जबकि समन्वयक शिवकांत त्रिपाठी ने खादी के महत्व और वर्तमान समय में इसकी बढ़ती मांग पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को न केवल कताई-बुनाई की बारीकियां सिखाई जा रही हैं, बल्कि उन्हें खादी उत्पादों की मार्केटिंग और ग्रामोद्योग बोर्ड की विभिन्न योजनाओं से जुड़ने के तरीके भी बताए जा रहे हैं।

अनुसूचित जनजाति के युवाओं के लिए विदेश में पढ़ाई का मौका

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत आवेदन 18 मई तक आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजनाए के तहत आवेदन 18 मई तक आमंत्रित किए गए हैं।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के जनजातीय युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा और शोध के अवसर प्रदान करना है। योजना के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों को विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत शोध उपाधि उपरांत अध्ययन पी.एच.डी. तथा स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए छात्रवृत्ति का प्रावधान किया गया है। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अभ्यर्थियों का चयन वर्तमान में प्रचलित योजना नियमों और निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया जाएगा। यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी जो संसाधनों के अभाव में वैश्विक मंच पर अपनी शैक्षणिक योग्यता सिद्ध करने से वंचित रह जाते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन का निर्धारित प्रारूप और योजना से जुड़ी विस्तृत जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट ट्राइबल डाट एमपी डाट जीओव्ही डाट इन पर देख सकते हैं। वेबसाइट पर पात्रता, आवश्यक दस्तावेज और चयन प्रक्रिया से संबंधित सभी दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए गए हैं। आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे आवेदन करने से पूर्व पोर्टल पर उपलब्ध नवीनतम नियमों का गहनता से अवलोकन कर लें। विस्तृत जानकारी के लिए सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग अनूपपुर के कार्यालय से भी मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। शासन की इस पहल का उद्देश्य जनजातीय वर्ग के युवाओं को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।